

मखाना के लिये MSP

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार सरकार ने केंद्र से मखाना के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) घोषित करने का आग्रह किया है। मखाना राज्य के 10 जिलों में उगाई जाने वाली एक जलीय फसल है।

मुख्य बंदि

- राज्य ने मखाना के लिये दरभंगा स्थिति भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र (ICAR-NRC) में कर्मचारियों की कमी के बारे में चिंता व्यक्त की है।
- बिहार देश का लगभग 85% मखाना उत्पादति करता है तथा लगभग 10 लाख लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसकी खेती और उत्पादन प्रक्रिया में शामिल हैं।
- कृषि मंत्रालय के अनुसार, दरभंगा में मखाना के लिये ICAR-NRC को भारत सरकार के कृषि अनुसंधान एवं शक्तिषा वंभिाग द्वारा मखाना फसल के संरक्षण, अनुसंधान और वकिस के लिये 9वीं पंचवर्षीय योजना अवधि (वर्ष 1997-2002) के दौरान एक नई योजना के रूप में अनुमोदति किया गया था।
 - मखाना के लिये NRC का कार्य फरवरी 2002 में शुरू हुआ, लेकिन वर्ष 2005 में इसे पटना स्थिति ICAR-पूर्वी कषेत्र अनुसंधान परिसर (RCER) के साथ वलिय कर दया गया, जिसके परिणामस्वरूप इसका "राष्ट्रीय" दर्जा समाप्त कर दया गया।
 - मई 2023 में केंद्र सरकार ने मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा को "राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा" में अपग्रेड किया और मछली जैसी अन्य जलीय फसलों को शामिल करने के लिये इसके अधदिश का वसितार किया।
 - मखाना के लिये NRC को ICAR के कृषि इंजीनियरिंग प्रभाग के अंतर्गत स्थानांतरति कर दया गया और लुधयाना स्थिति ICAR-केंद्रीय कटाई उपरान्त इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान से संबद्ध कर दया गया।

मथिलिा मखाना

- पान, माखन और मच्छ (मछली) मथिलिा की तीन प्रतषिठति सांस्कृतकि पहचान हैं।
- मथिलिा मखाना या माखन (वानस्पतिक नाम: *Euryale ferox Salisb*) बिहार और नेपाल के मथिलिा कषेत्र में उगाया जाने वाला एक वशिष कसिम का मखाना है।
- मखाना मथिलिा की तीन प्रतषिठति सांस्कृतकि पहचानों में से एक है
- यह नववविहति जोड़ों के लिये मनाए जाने वाले मैथलि ब्राह्मणों के कोजागरा उत्सव में भी बहुत प्रसदिध है।
- मखाने में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन तथा फास्फोरस जैसे सूक्ष्म पोषक तत्त्वों के साथ-साथ प्रोटीन व फाइबर होता है।
- इसे वर्ष 2022 में भौगोलकि संकेत (GI) टैग प्राप्त हुआ।